विद्या भारती पूर्वी उ०प्र० Contact-9415888806

सरस्वतीकुञ्ज, निरालानगर, लखनऊ

E-mail-vidyabhartipurviup@gmail.com

Website-vbeastup.org

विद्या भारती के छात्र जहाँ पर भी जिस भी क्षेत्र में काम कर रहे हैं, देश के किसी भी कोने में रहते हैं या विदेश में भी जहाँ भी रहते हैं या अपना काम कर रहे हैं ऐसे छात्र अपने जीवन में अपना व्यक्तिगत निजी जीवन जीते हुए अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए भी समाज में हमेशा अपनी एक अलग छाप छोड़ते हैं, जिसके कारण हमेशा ही उनकी एक अलग पहचान होती है, भारतीय संस्कृति और समाज को जोड़े रखने का काम जैसा कि विद्या भारती अपने छात्रों में बचपन से ही संस्कारों में देती है, ऐसे छात्र जो बाहर निकलते हैं, तो समाज को बदलने में समाज को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसी दिशा में श्री शैलेश मिश्रा जी की अगुवाई में बहुत दिनों से इस बात की चर्चा हो रही थी कि कैसे विद्या भारती के पुरातन छात्रों को एक साथ एक मंच पर लाया जाए। बहुत से छात्रों से बात भी हुई और छात्रों ने इस में रुचि भी दिखाई इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए दिनांक 22 नवंबर 2018 को लखनऊ में श्री शैलेश मिश्र जी के मार्गदर्शन में श्री संतोष शुक्ल जी, श्री संदीप त्रिपाठी जी, श्री मृतयुंजय मिश्र जी एवं श्री भावेष पाण्डेय जी की उपस्थिति में विद्या भारती के पुरातन छात्रों के लिए पुरातन छात्र परिषद के गठन का निर्णय लिया गया।

इस अनौपचारिक घोषणा के बाद पुरातन छात्रों को जोड़ने का काम व्यक्तिगत स्तर पर शुरू हो गया, आपस में जुड़े हुए जितने भी छात्र संपर्क में थे और जिनसे संपर्क और बढ़ाया जा सका, उन लोगों को इस अभियान में जोड़ा जाने लगा इटंरनेट के माध्यम से फोन के माध्यम से व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से और एक-दूसरे से एक श्रखृंला बनाते हुए जिस भी प्रकार से संपर्क पुरातन छात्रों से छात्राओं से हो पा रहा था, वह किया जा रहा था इटंरनेट के माध्यम से एक फॉर्म की व्यवस्था बनाई गई, जिसमें पुरातन छात्र अपनी विवरण भर सकते थे और अभी भी भर सकते हैं जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश और 7 साथी 12 अलग राज्यों से भी विद्या भारती के प्रति छात्रों ने उसमें फॉर्म भरा और यह लगातार फॉर्म हमें प्राप्त भी हो रहे हैं अच्छी बात है कि इसमें बच्चे जो विद्या भारती से पढे हुए हैं और कुछ ऐसे भी जो अभी पढ रहे हैं, वह भी इसमें जुड़ने के लिए काफी रुचि रख रहे हैं अभी देखने में आया कि लखीमपुर से बहतु ही अच्छा रिस्पांस अॉनलाइन फॉर्म को मिला है और वहां से छात्र ही नहीं बड़ी संख्या में छात्राओं ने भी जोड़ने का प्रयास किया है।

कुछ पुरातन छात्रों का यह प्रश्न है कि आखिर इस तरह का पुरातन छात्र परिषद बनाकर हमें क्या लाभ होगा और इसकी क्या रूपरेखा होगी कैसे हम समाज में अपना योगदान दे पाएंगे और हम आगे क्या कर सकते हैं, इन सब बातों में काफी प्रश्न पूछे जा रहे हैं हम अपने स्तर पर उनको समझाने की कोशिश करते हैं कि किस तरीके से हमें एक बड़ा विद्या भारती का परिवार बनाने में सहयोग मिलेगा और कैसे हम अपने उद्देश्य को संसेंति को समाज में अपनी विचार धारा को ले जाने के लिए हम कैसे काम कर सकते हैं इसके लिए पुरातन छात्र परिषद का गठन होना काफी आवश्यक है और सभी को इसमें जोड़ना चाहिए।

अभी इस प्रयास का यह प्रारंभ है और इसमें अगर संगठन का भरपुर सहयोग मिलता है और सभी विद्यालयों का पूरा सहयोग मिलता है तो हम आगे चलकर 1 से 2 वर्ष के भीतर पूरे देश का सबसे बड़ा पुरातन छात्र परिषद खड़ा कर पाएंगे और उसके माध्यम से समाज में कुछ अलग कर पाने की दिशा में हम अग्रसर होंगे।

लक्ष्य एवं उद्देश्य-

1. विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे पुरातन छात्रों को एक मंच पर लाना।
2. पुरातन छात्रों से नियमित संपर्क में रहना।
3. विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल किए पुरातन छात्रों को वर्तमान छात्रों को भी सही दिशा मिल सके।
4. सभी उत्सव पर पुरातन छात्रों को बधाई देना।
5. पुरातन छात्रों को विद्या भारती की मुख्य धारा में लाकर विद्या भारती के और भी बेहतर तरीके से कार्य

   करने के लिए उनसे भी सलाह लेना।
6. उनसे संबन्धित विद्यालयों में उनकी रुचि को बढाना।
7. विद्यालय स्तर पर जिला, स्तर पर क्षेत्र स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर, पुरातन छात्रों का समागम करना।
8. विद्यालय के नियमित कार्यक्रमों में प्राचीन छात्रों को भी शामिल करना।
9. पुरातन छात्र आज जिस समाज में कार्य कर रहे हैं उस समाज में भी अपनी विचार धारा का

प्रवाह करना।

10. अपने व्यक्तिगत जीवन में अत्यधिक सफल पुरातन छात्रों, जो समाज में बेहतर कार्य कर रहे हैं

    उनका अन्य पुरातन छात्रों एवं वर्तमान छात्रों के बीच संवाद स्थापित करना।

11. विद्या भारती के संरक्षण में विद्यालय स्तरीय, जिला स्तरीय, क्षेत्र स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की पुरातन छात्रों की टोली बनाना।

पुरातन छात्र परिषद, विद्या भारती से अध्ययन किये छात्र छत्राओं की सूचना एकत्र करने का प्रयास कर रहा है, कृपया विद्या भारती के पुरातन छात्र-छात्राओं से निवेदन है, कि यह संक्षिप्त विवरण पत्र अवश्य भरे । धन्यवाद !!

विवरण पत्र भरने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर click करें-

http://bit.ly/puratanchhatra